



# राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार



## समेकित रोग निगरानी कार्यक्रम (IDSP) : ANM की भूमिका



**तकनीकी सहयोग**

सेंटर फॉर हेल्थ पॉलिसी (सीएचपी)  
एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इन्स्टीच्यूट (आद्री)  
पटना, बिहार

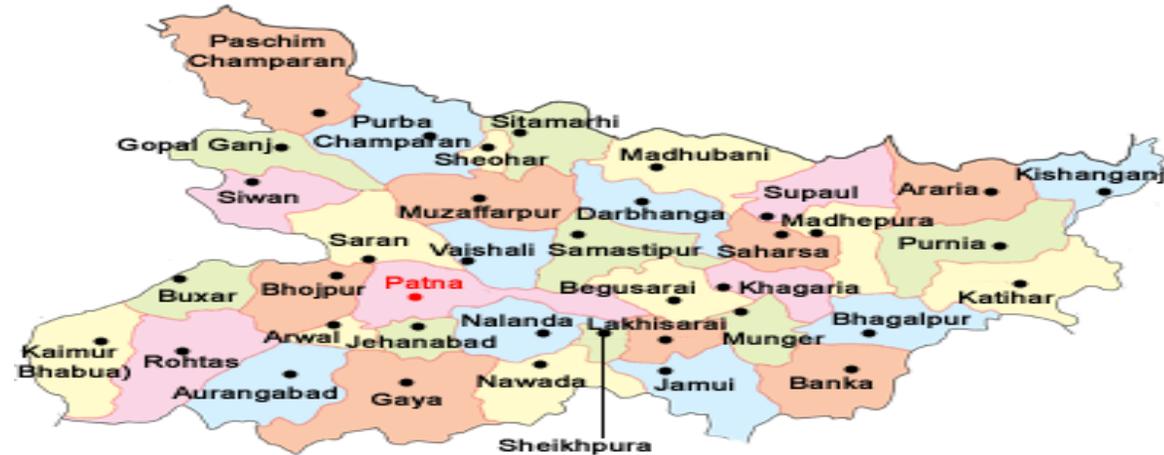




## बिहार : कुछ तथ्य

- पूर्वी क्षेत्र में अवस्थित
- पूरी तरह "समुद्रतट रहित" राज्य जो उत्तर में नेपाल से, दक्षिण में झारखंड से, पूर्व में पश्चिम बंगाल से और पश्चिम में उत्तर प्रदेश से घिरा है।
- 10.41 करोड़ आबादी वाला देश का तीसरा बड़ा राज्य

Bihar District Map



## बिहार : प्रमुख असुरक्षित स्थितियां

- **बाढ़** : भारत में बाढ़ से होने वाली 30-40% क्षति बिहार में होती है
- **सूखा** : दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम बिहार अधिक संवेदनशील हैं
- **भूकंप** : 8 जिले उच्च सिस्मिक जोन में अवस्थित हैं
- **संचारी रोगों का भय** :
  - डायरिया, तीव्र श्वास संक्रमण, टायफायड, वायरल हिपेटाइटिस, टीबी, मलेरिया, HIV, कालाजार
  - 2017 में रोग फैलने के मुख्य मामले : तीव्र डायरिया, डेंगू, AES/जापानी एनसेफलाइटिस, खसरा, छोटी चेचक

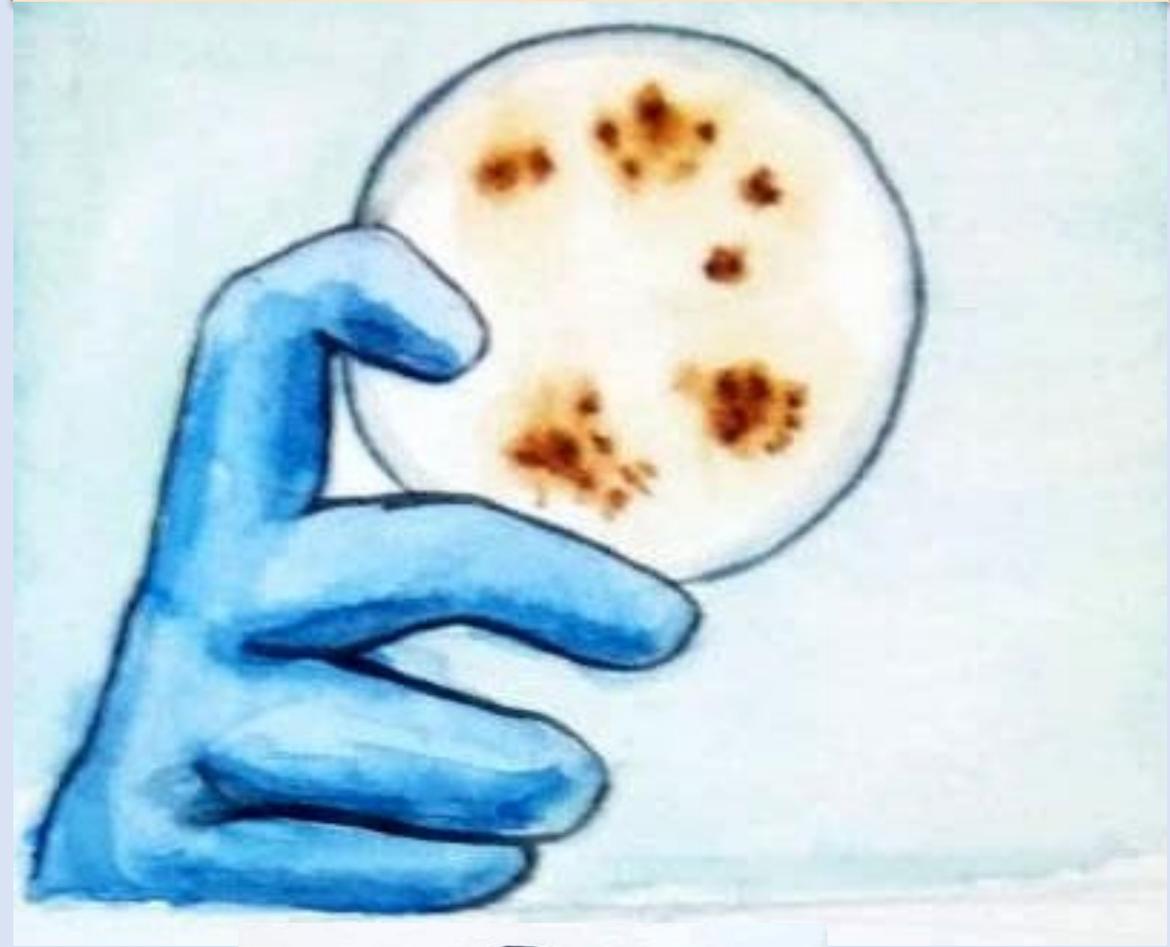
Source:

1. Bihar: State Profile (<http://gov.bih.nic.in/Profile/default.htm>)
2. Census 2011 (<https://www.census2011.co.in/census/state/bihar.html>)
3. Bihar State Disaster Management Authority ([http://bsdma.org/Welcome\\_note.aspx](http://bsdma.org/Welcome_note.aspx))
4. Annual Communicable Disease Surveillance report, 2017, Bihar

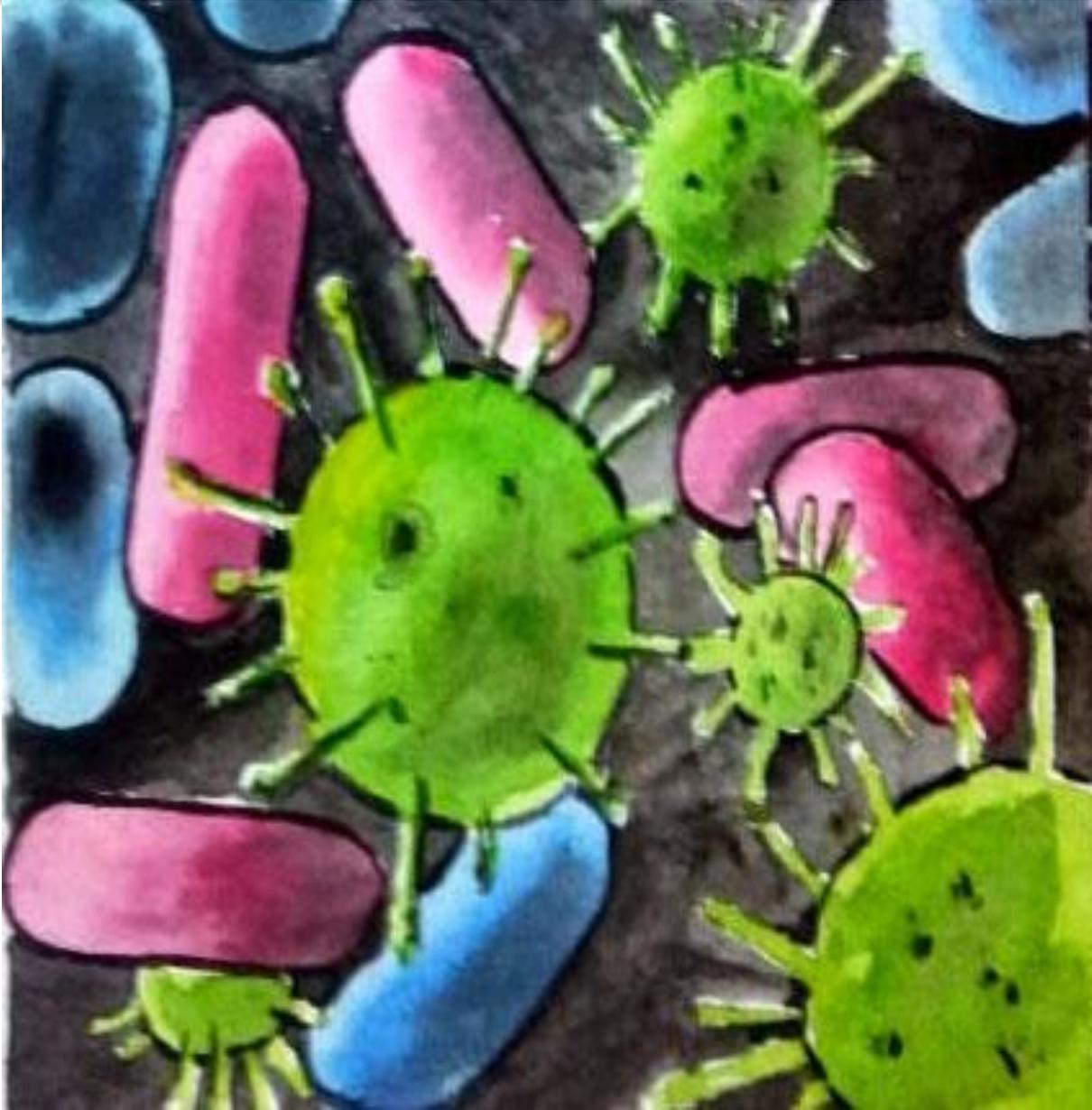
हमारा मुख्य फोकस :



बिहार में संचारी रोग



# संचारी रोग क्यों?



- संचारी रोगों का बोझ अभी भी अधिक है
- उनमें से अधिकांश लक्षणविहीन होते हैं और संक्रमण के एजेंटों को फैलाते हैं
- संक्रामक रोगों के खतरों का बदलता पैटर्न
- समय पर कदम नहीं उठाने पर जानलेवा हो सकते हैं
- इनमें से अधिकांश से बचा जा सकता है

# संक्रामक रोग क्या होता है?

संक्रमण के एजेंटों के प्रवेश, वृद्धि और बहुगुणन से पैदा होने वाला रोग

# संक्रमण के एजेंट क्या होते हैं?

कोई सूक्ष्मजीव जो संक्रमण पैदा करने में सक्षम हों

बैक्टेरिया  
वायरस

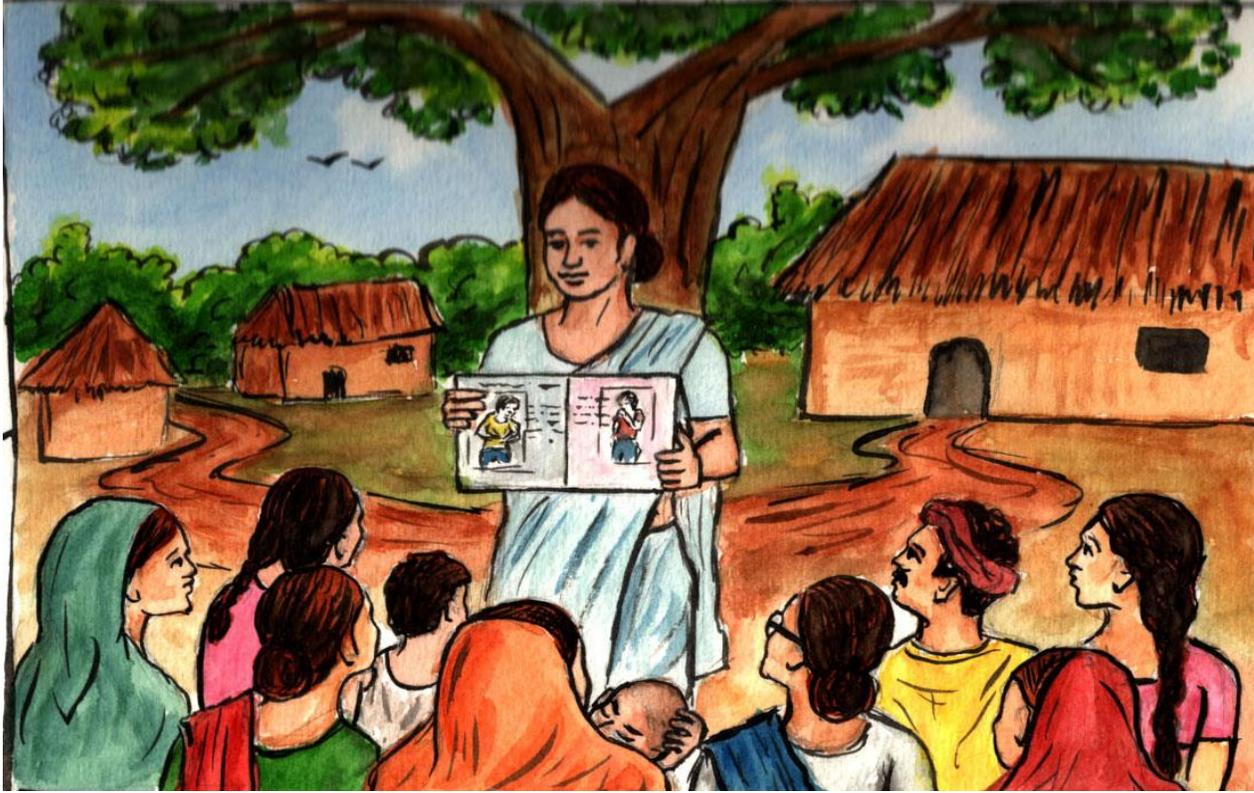
फंगस  
परजीवी

# याद रखें!



**किसी बीमारी से  
बचाव हमेशा ही  
इलाज से बेहतर  
होता है!!!!**

# बचाव और नियंत्रण



संक्रामक रोग कैसे फैलते हैं और उनसे खुद को और अपने समुदाय को कैसे बचाया जा सकता है, इसे समझकर संक्रामक रोगों की जोखिम कम करें!!!

# जानने की जरूरत है



- रोग फैलने के रास्तों को
- संक्रामक सामग्रियों के स्रोतों को

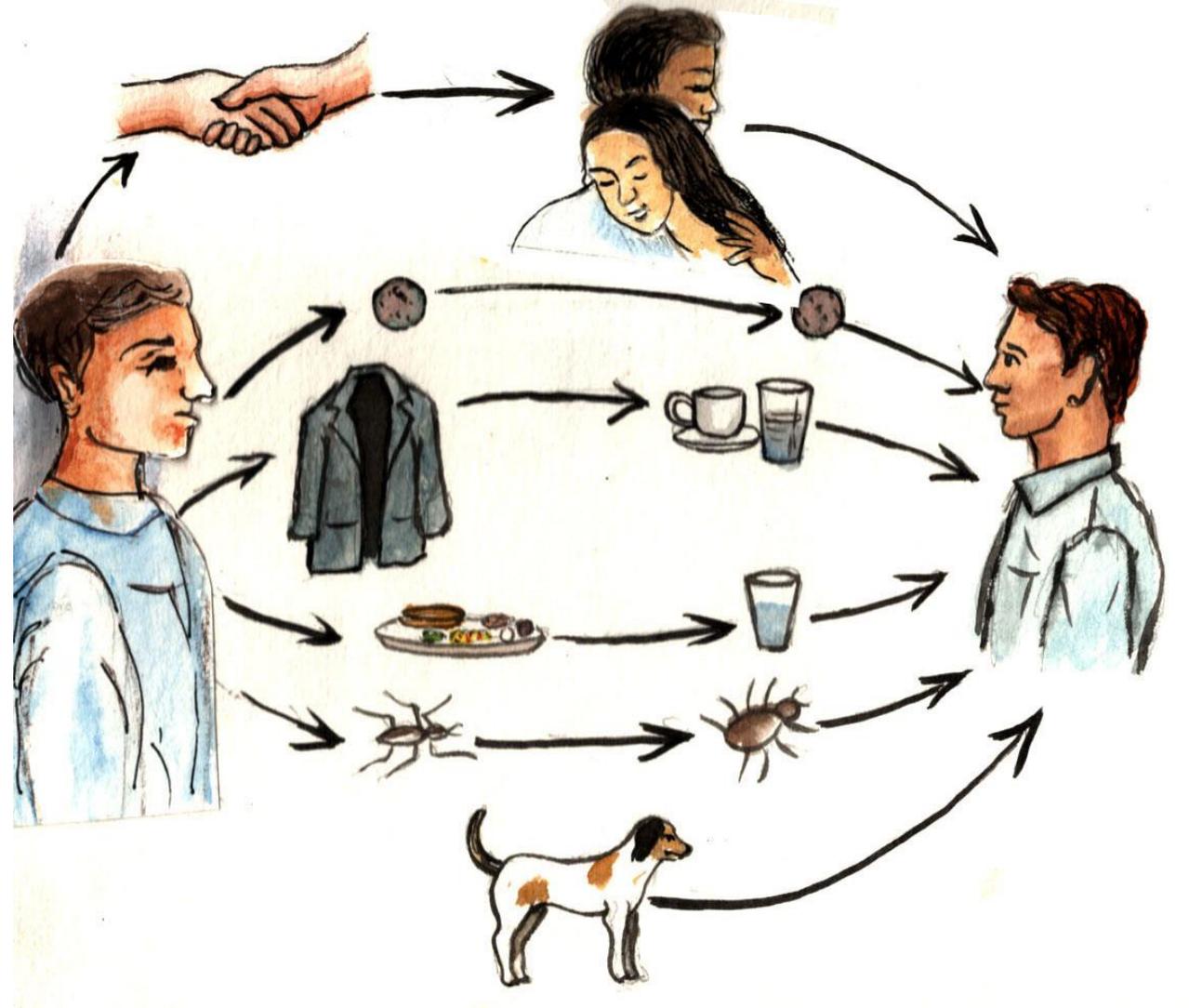
# संक्रमण के रास्ते

## प्रत्यक्ष संपर्क

- व्यक्ति का व्यक्ति से (छूना/खांसना/छींकना)
- पुरइन (प्लेसेंटा) के जरिए

## अप्रत्यक्ष संपर्क

- वायुजनित : हवा में सूखे संक्रमण के एजेंट
- वाहन जनित : प्रदूषित निर्जीव पदार्थ
- वाहक जनित : घरेलू मक्खी/ मच्छर



# जीवों से फैलने वाले रोग



पशुओं और मनुष्यों के बीच फैलने वाले रोग जैसे, स्वाइन फ्लू, कोरोना वायरस, रेबीज

## संक्रमण के रास्ते

### ➤ प्रत्यक्ष संपर्क :

लार, खून, पेशाब, खंखार, मल और शरीर के अन्य तरल पदार्थ

### ➤ अप्रत्यक्ष संपर्क :

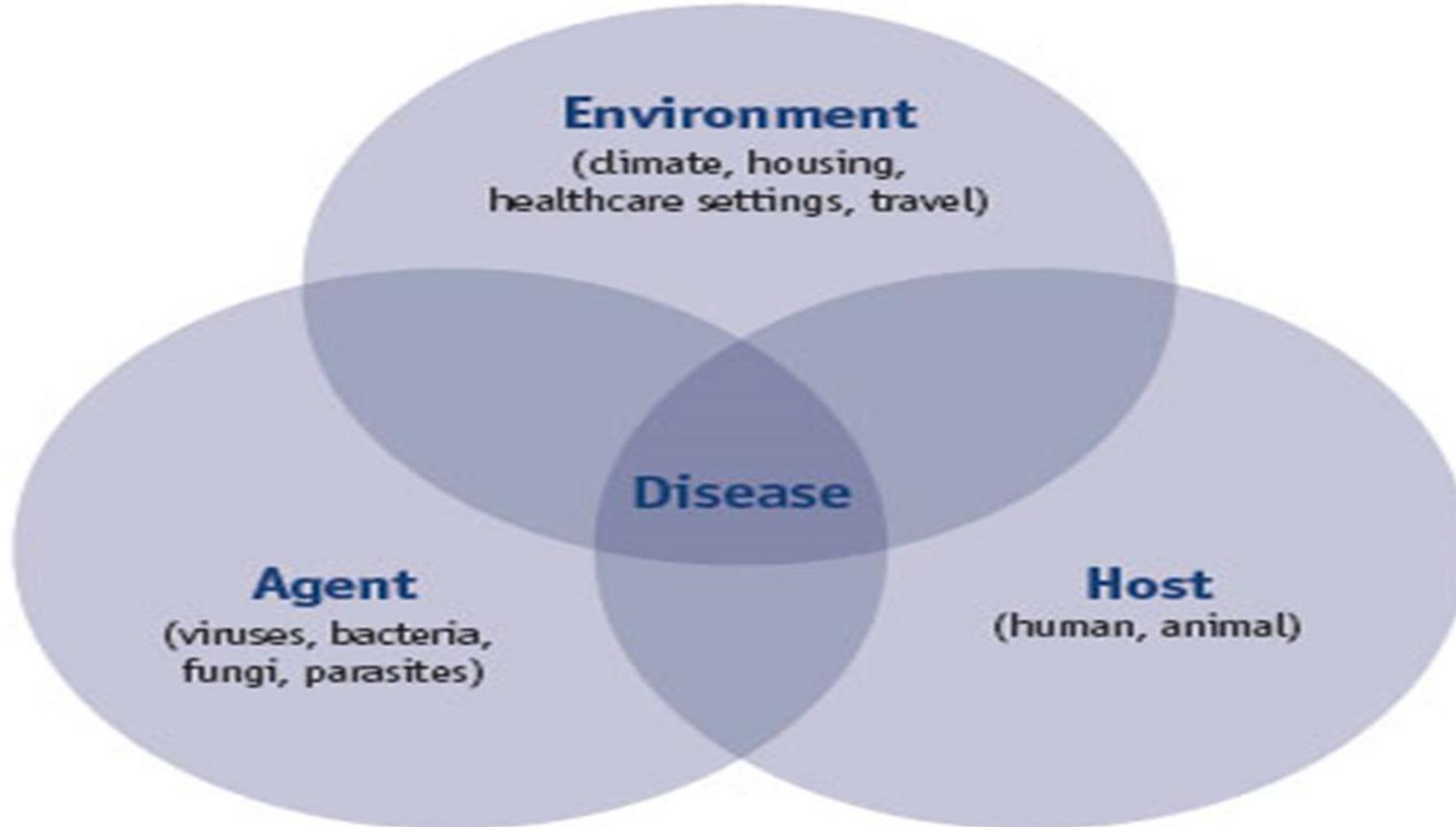
रोगवाही जनित

वाहन जनित

आहार जनित

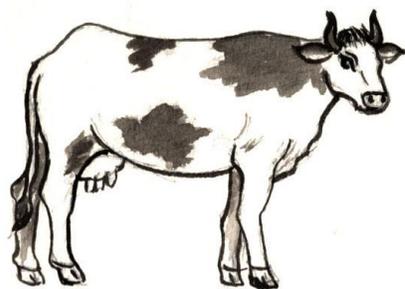
प्रदूषित चीजें खाना

# पारस्परिक प्रभावों को समझने की जरूरत है



# संक्रामक रोगाणुओं के स्रोत

- खाना
- पानी
- मानव
- पशु
- कीड़े-मकोड़े



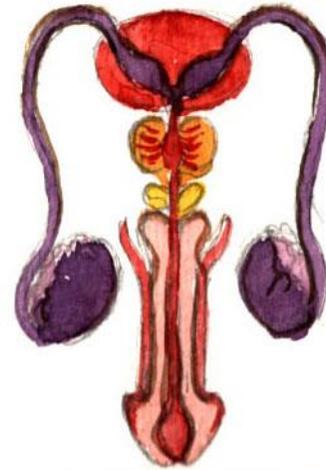
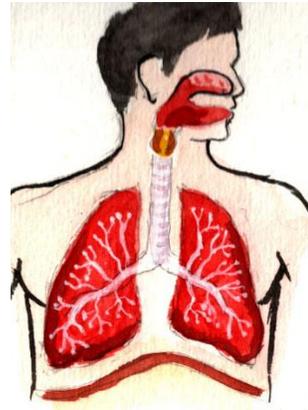
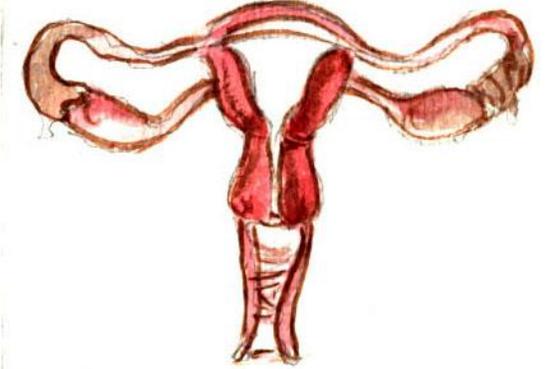
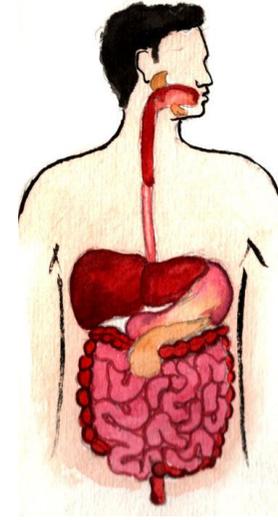
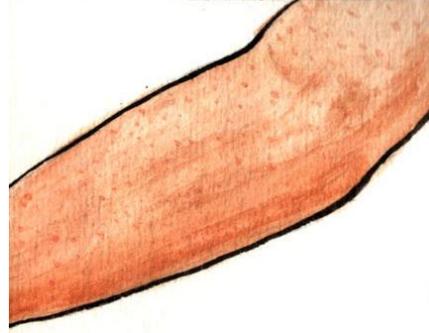
# संक्रमित होस्ट से रोगाणुओं के निकलने के स्रोत

- खखार
- पेशाब
- लार
- मल
- घावों का मवाद या पानी
- खून



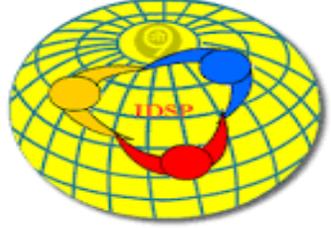
# शरीर में प्रवेश के सामान्य मार्ग

- त्वचा
- श्वास मार्ग
- पाचन मार्ग
- जनन-मूत्र मार्ग
- पुरइन (प्लेसेंटा)



# बिहार सरकार (GOB) द्वारा ली गई पहलकदमियां

- समेकित रोग निगरानी कार्यक्रम (IDSP), 2009
  - तीव्र डायरिया, पेचिश, वायरल हिपेटाइटिस, टायफायड, रोगवाही जनित रोग, VPD, अज्ञात मूल का बुखार, तीव्र श्वास संक्रमण, तीव्र शिथिलकारी लकवा, लेप्टोपोरोसिस
- राष्ट्रीय रोगवाही जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NVBDCP)
  - मलेरिया, डेंगू, कालाजार, जापानी एनसेफलाइटिस, चिकनगुनिया
- संशोधित राष्ट्रीय यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम (RNTCP)
- राष्ट्रीय वायरल हिपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (NVHCP), 2019
- राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (NLEP)





# Integrated Disease Surveillance Programme

National Centre for Disease Control, Directorate General of Health Services



Ministry of Health & Family Welfare, Government of India

समेकित रोग निगरानी कार्यक्रम (IDSP) क्या है?

**समेकित**

सभी निगरानी कार्यक्रमों का मेल

**रोग**

बिहार में होने वाले संचारी रोग

**निगरानी**

समय पर कार्रवाई के लिए स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों का व्यवस्थित संग्रहण



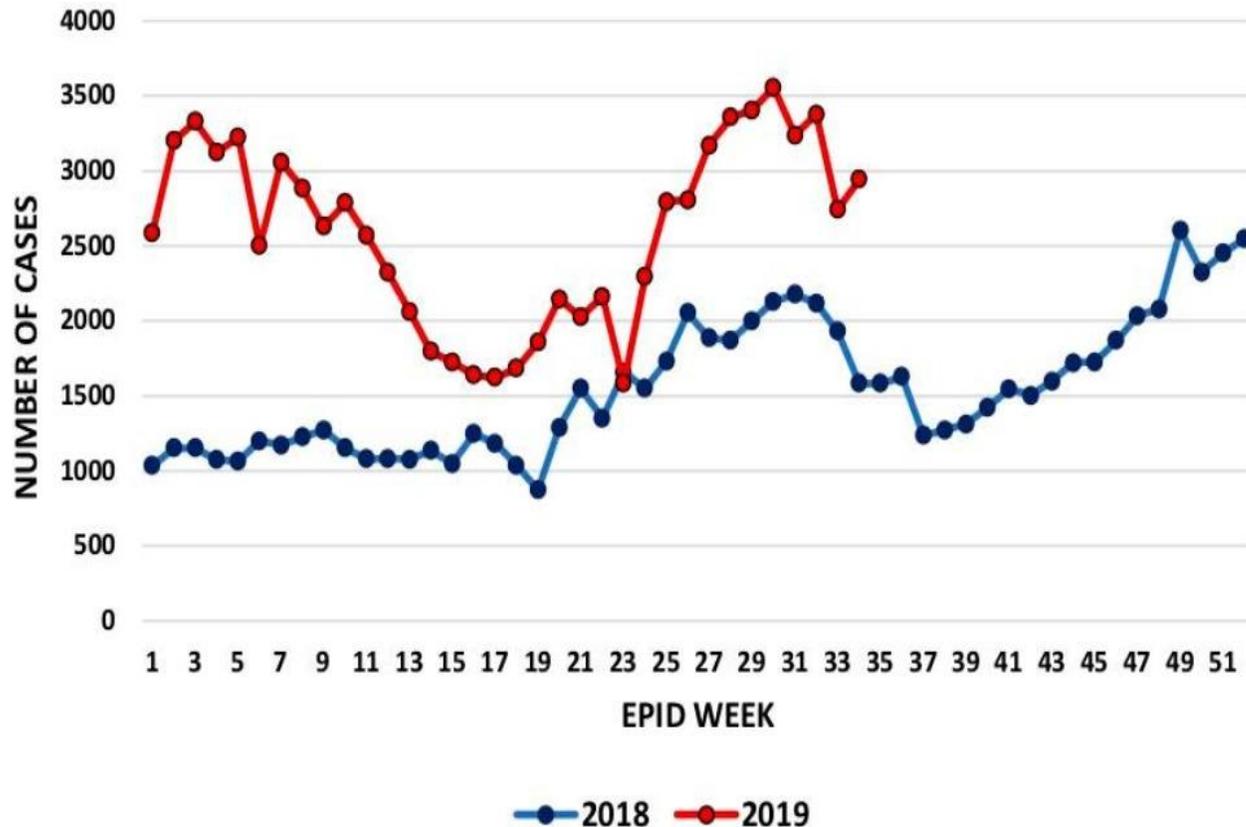
# Integrated Disease Surveillance Programme

National Centre for Disease Control, Directorate General of Health Services



Ministry of Health & Family Welfare, Government of India

### Weekly Dengue Fever Trend 2018 - 2019 (Wk 34)



- संक्रामक रोगों के लिए सबसे बड़ा नियंत्रण कार्यक्रम (31 रोगों का)
- निगरानी संबंधी नियमित कार्य करने के लिए
  - स्थानीय रोगों के रुझानों को मॉनीटर करना
  - बचाव एवं नियंत्रण कार्यक्रमों के प्रभावों का मूल्यांकन करना



सत्यमेव जयते

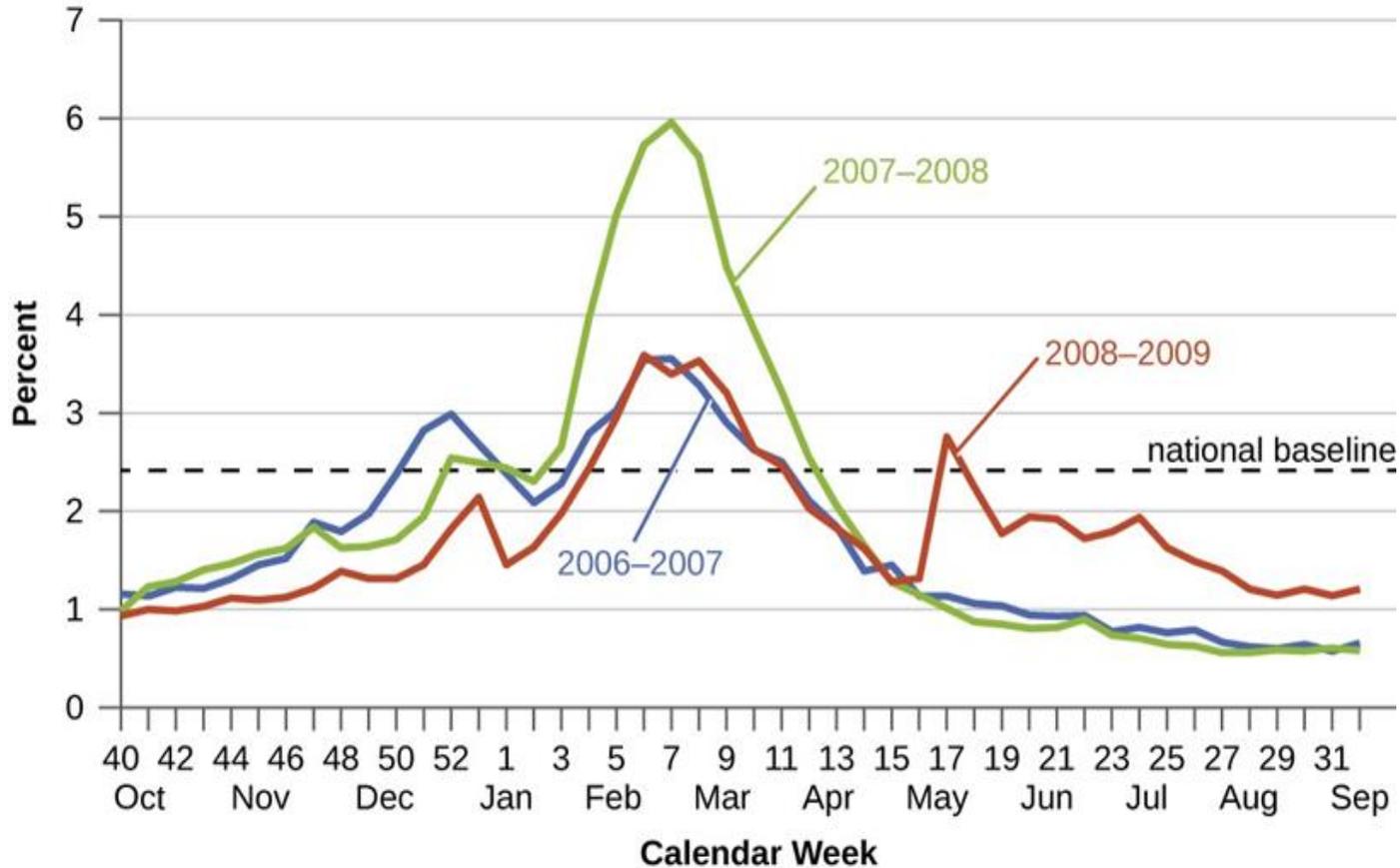
# Integrated Disease Surveillance Programme

National Centre for Disease Control, Directorate General of Health Services



Ministry of Health & Family Welfare, Government of India

### Percentage of Emergency Department Visits for Influenza-like Illness



- संचारी रोगों के फैलने का पता लगाना
- पिछले सप्ताह/ पिछले वर्ष की उसी अवधि की तुलना में संभावित मामलों की संख्या स्पष्ट रूप से बढ़ जाना
- समय पर लोक स्वास्थ्य संबंधी उपयुक्त कार्रवाई करना

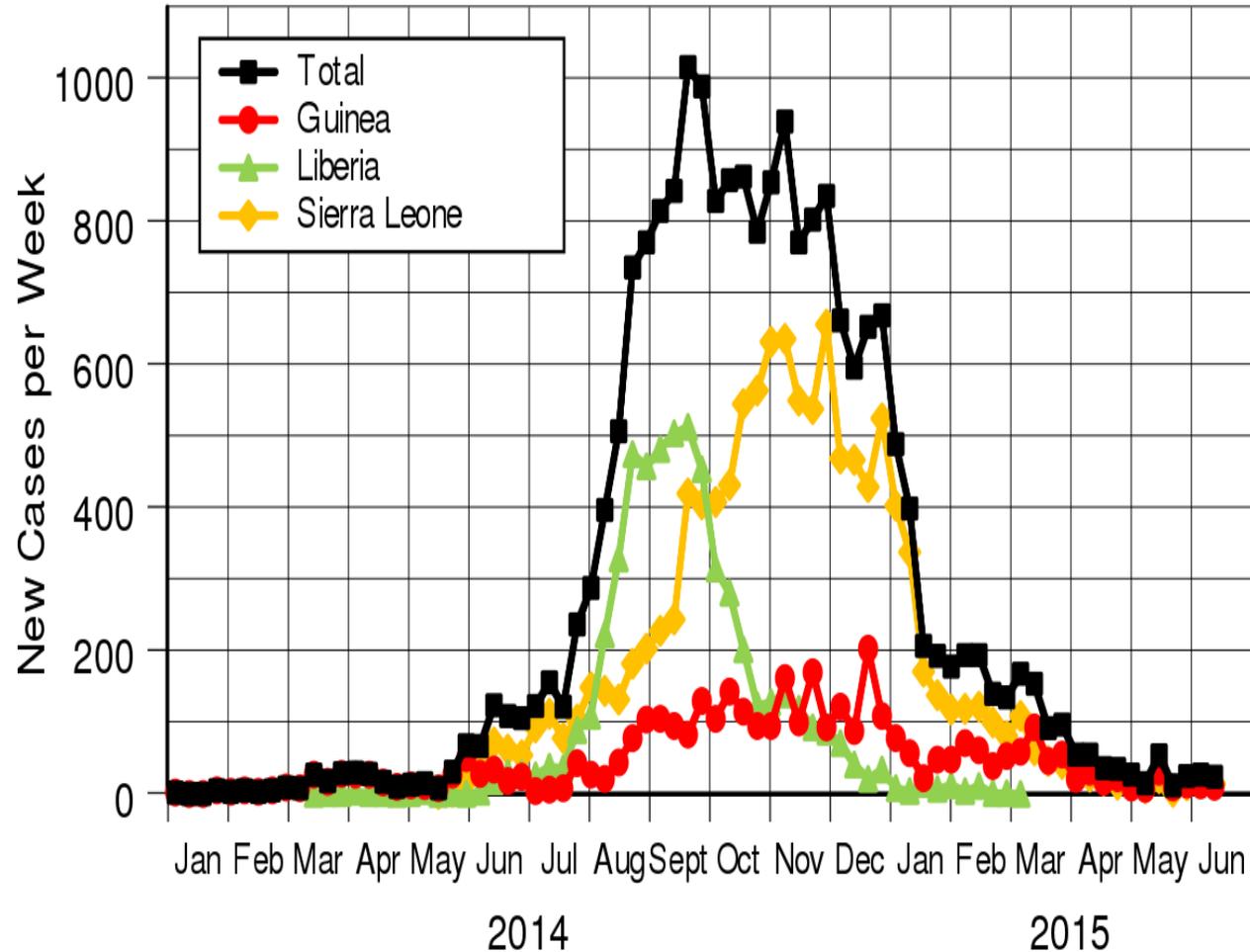


# उप-केंद्र में नियमित रिपोर्टिंग

- सत्यापन के बाद S फॉर्म में भरने के लिहाज से जरूरी सूचनाएं :
  - राज्य/जिला/प्रखंड/रिपोर्टिंग इकाई का नाम
  - रिपोर्टिंग सप्ताह
  - अपना नाम/ सुपरवाइजर (PHC के MO) का नाम
  - 6 संलक्षणों (बुखार, खांसी, डायरिया, पीलिया, तीव्र शिथिलकारी लकवा, असामान्य लक्षण) की कुल संख्या उम्र और लिंग आधारित वितरण के साथ
  - कोई मामला नहीं हो तो "शून्य" लिखना है
- उप-केंद्र में कागज आधारित तीन रिपोर्ट (3-प्रतियां) तैयार होती हैं
- हर सप्ताह (सोमवार को) रिपोर्ट (2-प्रतियां) PHC के MO के पास जमा की जाती है
- PHC के MO द्वारा मंगलवार को रिपोर्ट DSU को भेजी जाती है
- DSU द्वारा बुधवार को डेटा (डिजिटल फॉर्मेट में) IDSP पोर्टल में इंटर किया जाता है

# रोग फैलने के दौरान रिपोर्टिंग

2014 West Africa Ebola Epidemic



एक जैसे मामलों की क्लस्टरिंग

- रिपोर्ट का सत्यापन करें
- PHC के MO को तत्काल रिपोर्ट करें



# Integrated Disease Surveillance Programme

National Centre for Disease Control, Directorate General of Health Services



Ministry of Health & Family Welfare, Government of India

## IDSP में नए जुड़ाव

- IHIP का आरंभ
- टैबलेट में रोज डेटा इंट्री
- S फॉर्म में नए संलक्षणों का जुड़ाव